Raga of the Month December 2024

The world of Ragas having notes Sa Re Ga Pa and Dha

षडज रिषभ गंधार पंचम धैवत इन स्वरों से बननेवाले रागों की दुनिया

ओशन ऑफ रागाज्.कॉम (oceanofragas.com) इस संकेत स्थल में रागों का डेटाबेस है। उसमें दिए हुए सर्च व्हील्स की मदद से हम रागों को अलग-अलग तरीकों से खोज सकते हैं। उनका प्रयोग करके आज हम सा, प और शुद्ध या कोमल रिषभ, गंधार और धैवत इन स्वरोंसे कौन-कौन से राग बनते हैं यह देखेंगे। वे राग इस प्रकार है-

1. सा रे ग प ध - भूपाल तोड़ी;
2. सा रे ग प ध - देशकारी तोड़ी;
3. सा रे ग प ध - बिभास, श्री अंगका रेवा, पूर्वी अंगका रेवा,
4. सा रे ग प ध - धन्य धैवत (शुद्ध धैवतका बिभास), पूर्वी अंगका देशकार
5. सा रे ग प ध - लीलावती;
6. सा रे ग प ध - शिवरंजनी;
7. सा रे ग प ध - भूपकली;
8. सा रे ग प ध - भूपाली, देशकार, शुद्धकल्याण, जैतकल्याण.

आजके ऑडिओमे हम डॉ रेवा नातूजी से राग देशकारी तोड़ी, उस्ताद सरवर हुसैनसे राग लीलावती, पंडित रामाश्रेय झा जी से पूर्वी अंगके रेवा रागका परिचय और एक बंदिश सुनेंगे, पंडित के जी गिंडे जी ने गाया हुआ श्री अंगका रेवा राग सुनेंगे और अन्तमे सेनिया घरानेके बुजुर्ग उस्ताद मुश्ताक अली खाँ ने सितार पर बजाया हुआ पूर्वी अंगका देशकार राग सुनेंगे।

सन्दर्भ- देशकारी तोड़ी- "राग दर्शन" भाग ४- पं. मणिकबुवा ठाकुरदास

लीलावती - "राग निधि" भाग ३- प्रो. बी सुब्बाराव

रेवा (पूर्वी अंग)- भातखण्डे "क्र. पु. मा" भाग ५

आभार- श्री अजय गिंडे, श्री राजन पर्रीकर, डॉ. विवेक खाडिलकर, पंडित यशवंत महाले.

टिप्पणी - पंडित के जी गिंडे जीने दिए हुए लेक्चर डेमोंस्ट्रेशन्स में "सा रे ग प ध सा की दुनिया " इस विषयपर सप्रयोग व्याख्यान उपलब्ध है। उस व्याख्यान में भूपाली, देशकार,

शुद्धकल्याण, जैतकल्याण आदि रागोंका विवरण आलाप, तान और बंदिश सह किया है। यह लेक्चर डेमोंस्ट्रेशन्स सीरीज meeramusic@yahoo.com – WA 9987521857 पर उपलब्ध है।

01-12-2024

Link to the list of 160+ "Raga of the month" articles

@ Archive of ROTM Articles - https://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx